उद्योग, पर्यटन व शिक्षा के क्षेत्र में साथ काम करेंगे उप्र-जापान

सरकार व यामानाशी प्रीफेक्चर (जापान) के बीच एमओयू, योगी ने जापानी भाषा में किया प्रतिनिधिमंडल का अभिवादन

राज्य, जागरण ● लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जापान के यामानाशी प्रांत के राज्यपाल कोटारो नागासाकी के साथ आए प्रतिनिधि मंडल का स्वागत करते हुए कहा कि भारत और जापान के संबंध सदियों से मैत्रीपूर्ण रहे हैं। दोनों देशों के मध्य एक सहस्त्राब्दी से अधिक समय से रणनीतिक, सांस्कृतिक व वैश्विक सहभागिता की जड़ें जुड़ी हैं। आज जब दुनिया के तमाम देश युद्ध में हैं, तब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भगवान बुद्ध के संदेश के माध्यम से दुनिया को शांति-सौहार्द व एकता के सूत्र में बांध रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत और जापान बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश हैं। दोनों देशों के सामरिक दृष्टिकोण भी समान हैं।

सोमवार को मुख्यमंत्री के सरकारी आवास पर यामानाशी प्रीफेक्चर (जापान) के मध्य औद्योगिक साझेदारी, पर्यटन व वोकेशनल शिक्षा को लेकर प्रदेश सरकार की ओर से मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह और यामानाशी प्रांत के गर्वनर पालिसी प्लानिंग ब्यूरो के महानिदेशक जुनीची इशिदेरा ने एक सहमति पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस मौके पर योगी ने जापानी भाषा में प्रतिनिधि मंडल को संबोधित भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश व जापान के साथ हुआ एमओयू लोकतांत्रिक मूल्यों के आधार पर मानवता के लिए महत्वपूर्ण क्वाड देशों के साथ मिलकर कार्य करने की प्रतिबद्धता का परिणाम है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश में कार्यरत सात प्रमुख कंपनियों मित्सुई टेक्नोलाजीज, होंडा मोटर्स, यामाहा मोटर्स, डेंसो, टोयोडूंक, निसिन एबीसी लाजिस्टिक्स, सेकिसुई डीएलजेएम मोल्डिंग सहित 1,400 से अधिक जापानी कंपनियां भारत में संचालित हैं। दोनों देशों के मध्य वित्तीय वर्ष 2023-24 में 22.854 बिलियन अमेरिकी डालर का द्विपक्षीय व्यापार हुआ है। इस अवधि में जापान से भारत को 17.69 बिलियन अमेरिकी डालर का निर्यात किया गया और 5.15 बिलियन अमेरिकी डालर का आयात किया गया। उन्होंने कहा कि इस एमओयू के बाद से भारत और जापान के संबंधों को एक नई मजबूती मिलेगी।

सीएम योगी व जापानी गवर्नर की मौजूदगी में उप्र सरकार और यामानाशी प्रीफेक्चर (जापान) के बीच एमओयू हुआ साइन ● सूचना विभाग

● मुख्यमंत्री बोले, भारत और जापान के संबंध सदियों से रहे हैं मैत्रीपूर्ण

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में सबसे अधिक जनसंख्या वाला राज्य उत्तर प्रदेश, आकार में भारत का चौथा सबसे बड़ा राज्य है। यहां रहने वाले 25 करोड़ नागरिक इसे भारत का सबसे बड़ा श्रम एवं उपभोक्ता बाजार बनाते हैं।

उन्होंने कहा कि स्टार्टअप इंडिया रैंकिंग (2021) के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा राज्य को 'लीडर स्टेट्स' की श्रेणी में वर्गीकृत किया गया है। उत्तर प्रदेश में स्टार्टअप इंडिया' कार्यक्रम के अंतर्गत अब तक 7,600 से अधिक स्टार्टअप पंजीकृत किए गए हैं। उत्तर प्रदेश में एंजेल इन्वेस्टर्स एवं वेंचर कैपिटलिस्ट्स के लिए डिफेंस एवं एयरोस्पेस वैल्यू-चेन में स्टार्टअप को प्रोत्साहित करने के लिए असीम अवसर उपलब्ध हैं। जापान को इसका लाभ उठाना चाहिए।

इस अवसर पर जापान के यामानाशी प्रांत के राज्यपाल ने कहा कि यामानाशी प्रीफेक्चर और उत्तर प्रदेश के मध्य आध्यात्मिक एवं ऐतिहासिक संबंध रहे हैं। उन्होंने एमओयू पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि जापान कौशल विकास, रिन्यूएबल एनर्जी, हाइड्रो पावर, ज्ञान और तकनीक के आदान प्रदान में परस्पर सहयोग प्रदान करेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री से कहा कि जापान आपका दूसरा घर है। उन्होंने मुख्यमंत्री को यामानाशी प्रांत आने का निमंत्रण भी दिया।

बौद्ध सर्किट की दी गई जानकारी

जापानी प्रतिनिधि मंडल का पर्यटन विभाग ने भी स्वागत किया। इस दौरान प्रदेश में स्थित प्रसिद्ध बौद्ध सर्किट समेत अन्य पर्यटन स्थलों के बारे में प्रतिनिधि मंडल को विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही महाकुंभ-2025 में आने के लिए आमंत्रण दिया गया।

पर्यटन विभाग के प्रमुख सचिव मुकेश कुमार मेश्राम ने बताया कि उत्तर प्रदेश में भगवान राम, भगवान कृष्ण, भगवान शिव की काशी के साथ-साथ भगवान गौतम बुद्ध से जुड़े सारनाथ, कुशीनगर, संकिसा, श्रावस्ती, कौशांबी, कपिलवस्तु समेत अनेक स्थल हैं। इन तीर्थस्थलों पर देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव संजय प्रसाद, पर्यटन विभाग के निदेशक प्रखर मिश्रा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

जापानी प्रतिनिधिमंडल ने विधानसभा का भ्रमण किया

जापान के यामानाशी प्रांत के राज्यपाल कोटारो नागासाकी के नेतृत्व में राजनयिकों और उद्योगपतियों के एक प्रतिनिधि मंडल ने सोमवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना से शिष्टाचार भेंट की। प्रतिनिधिमंडल ने विधानसभा का भ्रमण भी किया। विधानसभा अध्यक्ष ने प्रतिनिधि मंडल को विधानसभा के ऐतिहासिक महत्व और हाल के बदलावों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश इस समय देश को आर्थिक और औद्योगिक विकास के क्षेत्र में नेतृत्व प्रदान कर रहा है। प्रदेश में विभिन्न हाईवे और औद्योगिक परियोजनाएं तेजी से विकसित हो रही हैं, जिससे निवेश के अनुकूल वातावरण तैयार हुआ है।

सूत रंगाई वाले स्थलों पर महिलाओं व युवाओं की नहीं होगी तैनाती

राज्य, जागरण ● लखनऊ : उत्तर प्रदेश के कारखानों में अब सूत रंगाई वाले स्थलों पर महिला व युवा श्रमिकों की तैनाती नहीं की जाएगी। इस संदर्भ में शासन ने अधिसूचना जारी कर दी है। बीते दिनों कैबिनेट की बैठक में इसे लेकर श्रम विभाग के प्रस्ताव को स्वीकृति की दी गई थी। सोमवार को विभाग के प्रमुख सचिव अनिल कुमार की तरफ से उत्तर प्रदेश कारखाना (74वां संशोधन) नियमावली के संबंध में जारी अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि महिलाओं व युवाओं के स्वास्थ्य के मद्देनजर नियमावली में यह संशोधन किया गया है।